ईको सिस्टम को संतुलित करने बढ़ाना होगा 6 प्रतिशत वन क्षेत्र

एआईजीजीपीए में व्याख्यान-माला में नेपाल के चीफ पॉलिसी एडवाइजर श्री राठौर

अक्टूबर 9, 2019

राष्ट्रीय स्तर पर ईको सिस्टम को संतुलित करने के लिये वर्ष 2030 तक 6 प्रतिशत वन क्षेत्र बढ़ाना होगा। अविरल और निर्मल नदियों के लिये उनके कैचमेंट एरिया में पौधे लगाना जरूरी है। आईसीआईएमओडी काठमांडू (नेपाल) के चीफ पॉलिसी एडवाइजर श्री बी.एम.एस. राठौर ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में 'असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम" व्याख्यान-माला में 'फारेस्ट्री फॉर वेलबीइंग ऑफ पीपुल एण्ड ईकोसिस्टम" विषय पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही।

संस्थान के महानिदेशक श्री आर. परशुराम ने कहा कि हमें वर्तमान के साथ भविष्य के बारे में भी सोचना होगा। उन्होंने कहा कि 'इंकार द्वारा मन बहलाव" के सिद्धांत पर काम नहीं हो सकता। श्री परशुराम ने कहा कि वर्तमान में क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग महत्वपूर्ण विषय है। अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन से नई समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिये हम सबको मिलकर कार्य करने की जरूरत है। अगर कार्य आज शुरू करेंगे, तो उसके परिणाम आने वाले दिनों में दिखेंगे।

'रिवर कॉलिंग" अभियान

श्री राठौर ने कहा कि देश में 'रिवर कॉलिंग" अभियान चलाने की जरूरत है। इस अभियान को जन-अभियान बनाने पर ही सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वनीकरण के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ है। प्रदेश को फिर टाइगर स्टेट का दर्जा मिला है। श्री राठौर ने छिन्दवाड़ा जिले में काराबोह वन के पुनरुद्धार के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि बाँस उत्पादन में किसान स्वयं आगे आ रहे हैं।

वन क्षेत्र में बढ़ें रोजगार के अवसर

श्री राठौर ने कहा कि वन क्षेत्रों के साथ उसके आसपास रहने वाले लोगों का कौशल उन्नयन कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाया जाना चाहिये। इससे वनों पर उनकी निर्भरता कम होगी। वन समितियों को माइक्रो प्लानिंग के लिये सहयोग करना होगा। श्री

राठौर ने अच्छे रहन-सहन (वेल बीइंग) के मुख्य बिन्दुओं पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में एक पीरियड हैप्पिनेस विषय का होता है।

ईको सिस्टम को संतुलित करने बढ़ाना होगा 6 प्रतिशत वन क्षेत्र

भोपाल। नवदुनिया स्टेट ब्यूरो

राष्ट्रीय स्तर पर ईको सिस्टम को संतुलित करने के लिए वर्ष 2030 तक छह फीसदी वन क्षेत्र बढ़ाना होगा। अविरल और निर्मल नदियों के लिए उनके कैचमेंट एरिया में पौधे लगाना जरूरी है। आईसीआईएमओडी काठमांडू (नेपाल) के चीफ पॉलिसी एडवाइजर बीएमएस राठौर ने यह बात कही। वे बुधवार को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में 'असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम' व्याख्यान माला में 'फारेस्ट्री फॉर वेलबीइंग ऑफ पीपुल एंड ईकोसिस्टम' विषय पर बोल रहे थे। संस्थान के महानिदेशक आर. परशुराम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें मिलकर कार्य करने की जरूरत है।

'रिवर कॉलिंग' अभियान

राठौर ने कहा कि देश में 'रिवर कॉलिंग' अभियान चलाने की जरूरत है। इस अभियान को जनअभियान बनाने पर ही सफलता मिलेगी। राठौर ने छिंदवाड़ा जिले में काराबोह वन के पुनरुद्धार के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों के साथ उसके आसपास रहने वाले लोगों का कौशल उन्नयन कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करना चाहिए।

ईको सिस्टम को संतुलित करने के लिए 6% वन क्षेत्र बढ़ाना जरूरी : राठौर

भोपाल| ईको सिस्टम को संतुलित करने के लिए 6 प्रतिशत वन क्षेत्र बढ़ाना होगा। इसके लिए 2030 तक नदियों के किनारे और उनके कैचमेंट इलाके में पौधे लगाना जरूरी है। इससे ईको सिस्टम और जैव विविधता बनी रहेगी। यह विचार आईसीआईएमओडी काठमांडू (नेपाल) के चीफ पॉलिसी एडवाइजर बीएमएस राठौर ने अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में बुधवार को असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम विषय पर आयोजित व्याख्यान-माला में व्यक्त किए।

ईको सिस्टम को संतुलित करने बढ़ाना होगा 6 फीसदी वन क्षेत्र

भोपाल (नसं)। राष्ट्रीय स्तर पर ईको सिस्टम को संतुलित करने के लिए वर्ष 2030 तक 6 प्रतिशत वन क्षेत्र बढ़ाना होगा। अविरल और निर्मल नदियों के लिए उनके कैचमेंट एरिया में पौधे लगाना जरूरी है। आईसीआईएमओडी काठमांडू (नेपाल) के चीफ पॉलिसी एडवाइजर बीएमएस राठौर ने यह बात कही। वे अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में 'असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम'' व्याख्यान-माला में 'फारेस्ट्री फॉर वेलबीइंग ऑफ पीपुल एंड ईकोसिस्टम'' विषय पर विचार व्यक्त कर रहे थे। संस्थान के महानिदेशक आर परशुराम ने कहा कि हमें वर्तमान के साथ भविष्य के बारे में भी सोचना होगा। परशुराम ने कहा कि वर्तमान में क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग महत्वपूर्ण विषय है।

6% forest area to be increased to balance eco system

Chief Policy Advisor of Nepal opines at lecture-series in AIGGPA

■ Staff Reporter

SIX percent forest area will have to be increased till year 2030 to balance eco-system at national level. It is necessary to plant saplings in their catchment areas to maintain cleanliness and keep the rivers flowing. Chief Policy Advisor of ICIMOD Kathmandu (Nepal) BMS Rathore said this while expressing his views on the topic 'Forestry for Well-being of People and Eco Systems' in the lecture series 'Transformative Change - Sustainable Outcome' organised at the Atal Behari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis.

Director General of the Institute, R Pashuram said that we have to think about the future along with the present. He said that the principle of 'Solace by refusal' could not work. Parshuram said that climate change and global warming are important topics at present. Excess carbon emissions are creating new problems. He said that we all need to work together for environmental conservation. If we start working today, its results will be seen in the coming days.

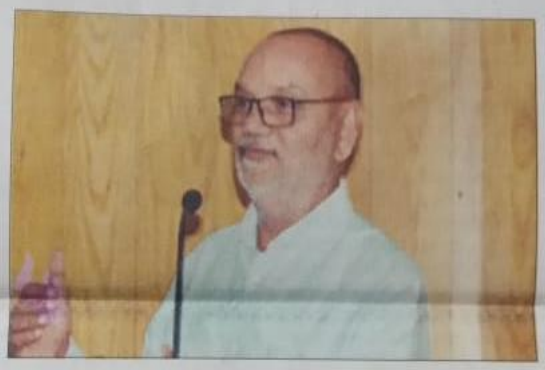

Chief Policy Advisor of ICIMOD Kathmandu (Nepal) BMS Rathore addressing 'Forestry for Well-being of People and Eco Systems' in the lecture series 'Transformative Change - Sustainable Outcome' organised at the Atal Behari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis on Wednesday.

'RIVER CALLING' CAMPAIGN: Chief Policy Advisor of ICIMOD Kathmandu (Nepal) BMS Rathore said that there is need to launch the 'River calling' campaign in the country. This campaign can be successful if it is made a public movement. He said that good work has been done in the field of affroestation in Madhya Pradesh. The state has attained the status of Tiger State again. Rathore also told about the regeneration of Karoboh forest in Chhindwara district. He said that farmers are themselves coming forward in bamboo production.

EMPLOYMENT OPPORTUNITIES SHOULD INCREASE IN FOREST AREA: Chief Policy Advisor of ICIMOD Kathmandu (Nepal) B.M.S. Rathore said that the skills of the people living in and around the forest areas should be upgraded and provided employment opportunities. This will reduce their dependence on forests. Forest committees will have to cooperate for micro planning. Rathore also discussed the main points of good living. He told that in Delhi's Government schools, there is one period for the subject of Happiness.

Principal Advisor of the Institute Mangesh Tyagi gave information about the subject matter. Principal Advisor M M Upadhyay, Girish Sharma and other officers-employees were present in Lecture Series.

'Must increase forest by 6% to balance ecology'

STAFF REPORTER ■ BHOPAL

Director General of the Institute, R Pashuram said that we have to think about the future along with the present

Six percent forest area will have to be increased till year 2030 to balance eco-system at national level. It is necessary to plant saplings in their catchment areas to maintain cleanliness and keep the rivers flowing. Chief Policy Advisor of ICIMOD Kathmandu (Nepal) BMS Rathore said this while expressing his views on the topic 'Forestry for Well-being of People and Eco Systems' in the lecture series 'Transformative Change - Sustainable Outcome' organised at the Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis.

Director General of the Institute, R Pashuram said that we have to think about the future along with the present. He said that the principle of 'Solace by refusal' could not work. Parshuram said that climate change and global warming are important topics at present. Excess carbon emissions are creating new problems. He said that we all need to work together for environmental conservation. If we start working today, its results will be seen in the coming days.

Rathore said that there is need to launch the "river calling" campaign in the country. This campaign can be successful if it is made a public movement. He said that good work has been done in the field of affroestation in Madhya Pradesh. The state has attained the status of Tiger State again. Rathore also told about the regeneration of Karoboh forest in Chhindwara district. He said that farmers are themselves coming forward in bamboo production.

Rathore said that the skills of the people living in and around the forest areas should be upgraded and provided employment opportunities. This will reduce their dependence on forests. Forest committees will have to cooperate for micro planning. Rathore also discussed the main points of good living. He told that in Delhi's government schools, there is one period for the subject of Happiness.

Principal Advisor of the Institute Mangesh Tyagi gave information about the subject matter. Principal Advisor MM Upadhyay, Girish Sharma and other officers-employees were present in Lecture Series.